International Journal of Advanced Educational Research
ISSN: 2455-6157; Impact Factor: RJIF 5.12
www.educationjournal.org
Volume 1; Issue 4; July 2016; Page No. 47-50

उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षकों व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के शिक्षकिय मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन

सुश्री प्रियंका राठौर

सहायक प्राध्यापिका, (शिक्षा संकाय), कमला नेहरू महाविद्यालय कोरबा, छत्तीसगढ़, भारत।

सारांश

शिक्षण एक त्रिध्रुवीय प्रक्रिया है, जो कि तीन ध्रुवों अर्थात शिक्षक छात्र व पाठ्यक्रम पर आधारित है। शिक्षक का शिक्षण में सर्वोच्च स्थान है परंतु आज के आधुनिक युग में देखा जा रहा है कि शिक्षक अपने मूल्य खोते जा रहे है या यह कह सकते है कि उनके मूल्यों का हनन हो रहा है।

आज समाज में व्यवसायीकरण से लोग प्रतिस्पर्धा करने लगे है, जिससे शिक्षक भी अछूता नही रह गया है, इस हेतु आधुनिक परिप्रेक्ष्य में मूल्य के अध्ययन की नितान्त आवश्यकता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में उच्च0 माध्य0 शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के शिक्षकीय मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन हेतू बिलासपुर शहर के शिक्षकों का चयन कर उन पर डॉ0 श्रीमती हरभजन एल0 सिंह व डॉ0 एस0पी0 आलुवालीया द्वारा निर्मीत उपकरण – (TVI) Teachers Value Inventory मापनी का प्रयोग किया गया है।

निश्कर्श से ज्ञात होता है कि उच्च0 माध्य0 शाला के शिक्षकों व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के सैध्दांतिक मूल्य, आर्थिक मूल्य, नैतिक मूल्य, धार्मिक मूल्य में सार्थक अंतर नही पाया गया तथा सामाजिक मूल्य शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों में अधिक व राजनैतिक मूल्य उच्च0 माध्य0 विद्यालय के शिक्षकों में अधिक पाया गया।

मुख्य शब्द: उच्चतर माध्यमिक शाला, शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, (TVI) Teachers Value Inventory

प्रस्तावना

मूल्य से अभिप्राय उस शिक्षा से है, जिससे हमारे नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, तथा आध्यात्मिक मूल्य समाहित है। समाज में अच्छे गुणों व मूल्यों में परिपूर्ण शिक्षकों की नितांत आवश्यकता है। शिक्षक ही बालक की आंतरिक शक्तियों को खोजकर उन्हे आगे बढाने के लिए प्रेरित करते है व अच्छे आचरण, नैतिकता व अपने मूल्यों द्वारा छात्रों के व्यक्तित्व का विकास करते है।

मानव के जीवन में मूल्यों का महत्व बहुत अधिक है। उसके जीवन का प्रत्येक कार्य किसी ना किसी मूल्य से संबंधित होता है। मूल्यों की श्रेश्ठता निर्धारित करने में तथा उन्हे आत्मसात करने में शिक्षा का बहुत बड़ा योगदान है।

अध्ययन के उद्देश्य

उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षको व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के शिक्षकीय मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाऐ

Ho_1: उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षको व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षको के सैद्धांतिक मूल्यों में सार्थक अंतर नही होगा।

Ho_2: उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षको व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षको के आर्थिक मूल्यों में सार्थक अंतर नही होगा।

Ho_3: उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षको व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षको के नैतिक मूल्यों में सार्थक अंतर नही होगा। ।

Ho_4: उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षको व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षको के सामाजिक मूल्यों में सार्थक अंतर नही होगा।

Ho_5: उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षको व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षको के राजनैतिक मूल्यों में सार्थक अंतर नही होगा।

Ho_6: उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षको व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षको के धार्मिक मूल्यों में सार्थक अंतर नही होगा।

अध्ययन की विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन की प्रकृति तुलनात्मक है अतः सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। एवं प्रदत्तों के संकलन के पश्चात फलांकन पर उनका सांख्यिकीय विश्लेशण करके परिणाम प्राप्त किया गया है।

शोध आभिकल्प विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में द्विसमूह अभिकल्प का प्रयोग किया गया है।

शिक्षक

1. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षक
2. उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षक

न्यादर्श

अध्ययन की समश्टि

प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श हेतु बिलासपुर शहर के 6 उच्चतर माध्यमिक शाला व 7 शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों का चयन किया गया है।

न्यादर्श विधि

प्रस्तुत अध्ययन हेतु सुविधानुसार प्रतिचयन विधि का प्रयोग किया गया हैं।

प्रयुक्त उपकरण

उपकरण :– (TVI) Teachers Values Inventory

डॉ0 श्रीमती हरभजन एल0 सिंह

डॉ0 एस0 पी0 आलुवालिया

द्वारा निर्मित

इस मापनी में कुल छैः क्षेत्रों– सैद्धांतिक मूल्य, आर्थिक मूल्य, नैतिक मूल्य, सामाजिक मूल्य, राजनैतिक मूल्य, तथा धार्मिक मूल्य का मापन किया जा सकता है। इस मापनी में प्रश्नों की संख्या 25 है, जो छैः प्रकार के मूल्यों से संबंधित है। यह मापनी शिक्षकों के मूल्य मापन के लिए सर्वोत्तम है।

परिकल्पना का परीक्षण एवं परिणाम

i) प्रथम परिकल्पना के परिक्षण हेतु दोनो समूहों के मध्यमानों की गणना हेतु ज का मान

Ho1 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के सैध्दांतिक मूल्यों के प्राप्तांक :–

तालिका 1: उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के के शिक्षकों व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के सैद्धांतिक मूल्यों के प्राप्तांक

तुलना समूह	N	M	SD(6)	Df	T का मान	सार्थकता	परिणाम
उच्च0 माध्य0 विद्यालय के शिक्षक	40	M1 =88.32	61 = 11.60	df (N1 + N2)2 = 78	1.94	0.05 = 1.99 t का मान असार्थक	HO_1 स्वीकृत
शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षक	40	M2 = 94.05	62 = 14.65				

व्याख्याः– उपरोक्त तालिका के अनुसार उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों का क्रमशः माध्य प्रमाणिक विचलन का M_1=87.27, M_2= 86.17 , SD= 16.40, SD=14.69 मान प्राप्त हुआ।

स्वतंत्र कोटि 78 पर प्राप्त 'टी' का मान 0.34 है जो दोनों स्तर (0.05, 0.01) प्राप्त मान से कम है।

परिणामः– टी का मान असार्थक है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है।

निश्कर्शः– अतः उच्च0 मा0 विद्यालय के शिक्षकों व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के सैद्धांतिक मूल्यों में सार्थक अंतर नही है।

Ho2. उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षकों व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के आर्थिक मूल्यों में सार्थक अंतर नही है।

ii) द्वितीय परिकल्पना के परीक्षण हेतु t की गणना

तालिका 2: उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के आर्थिक मूल्यों के प्राप्तांक

तुलना समूह	N	M	SD(6)	Df	T का मान	सार्थकता	परिणाम
उच्च0 माध्य0 विद्यालय के शिक्षक	40	M1 =87.27	61 = 16.40	df (N1 + N2)2 = 78	0.31	0.05 = 1.99 t का मान असार्थक	HO_2 स्वीकृत
शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षक	40	M2 = 86.17	62 = 14.69				

व्याख्याः– उपरोक्त तालिका के अनुसार उच्च0 मा0 शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों का क्रमशः माध्य प्रमाणिक विचलन का M_1=87.27, M_2=86.17, SD=16.49, SD=14.69 मान प्राप्त हुआ।

स्वतंत्र कोटी 78 पर प्राप्त 'टी' का मान 0.31 है, जो दोनों स्तर (0.05,0.01) प्राप्त मान से कम है। अतः परिकल्पना स्वीकृत है।

परिणामः– 'टी' का मान असार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है।

निश्कर्शः– उपरोक्त तालिका के अनुसार उच्च0 मा0 शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों का क्रमशः माध्य प्रमाणिक स्तर के शिक्षकों के आर्थिक मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं है।

Ho_3: उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के नैतिक मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं है।

iii) तृतीय परिकल्पना के परीक्षण हेतु t की गणना

तालिका 3: उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के नैतिक मूल्यों के प्राप्तांक

तुलना समूह	N	M	SD(6)	Df	T का मान	सार्थकता	परिणाम
उच्च0 माध्य0 विद्यालय के शिक्षक	40	M1 =85.85	61 = 9.39	df (N1 + N2)&2 = 78	0.20	0.05 = 1.99 t का मान असार्थक	HO_3 स्वीकृत
शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षक	40	M2 = 86.5	62 = 17.26				

व्याख्याः– उपरोक्त तालिका के अनुसार उच्च0 माध्यमिक शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों का क्रमशः माध्य प्रमाणिक विचलन का M_1=85.85, M_2=86.5, SD=9.39, SD=17.26 मान प्राप्त हुए।

स्वतंत्र कोटी 78 पर प्राप्त टी का मान 0.20 हैं जो दोनो स्तर (0.05,0.01) प्राप्त मान से कम है अंतः परिकल्पना स्वीकृत हैं ।

परिणामः– 'टी' का मान सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है।

निश्कर्शः– उपरोक्त तालिका के अनुसार उच्च0 मा0 शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों का क्रमशः माध्य प्रमाणिक स्तर के शिक्षकों के नैतिक मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं है।

Ho_4- उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के सामाजिक मूल्यों में सार्थक अंतर है।

iv) चतुर्थ परिकल्पना के परीक्षण हेतु t की गणना

तालिका 4: उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के नैतिक मूल्यों के प्राप्तांक

तुलना समूह	N	M	SD(6)	df	T का मान	सार्थकता	परिणाम
उच्च0 माध्य0 विद्यालय के शिक्षक	40	M1 =89.62	61 = 1.51	df (N1 + N2)&2 = 78	3.18	0.01 = 2.63 t का मान सार्थक	HO_4 अस्वीकृत
शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षक	40	M2 = 100.55	62 = 21.71				

व्याख्याः– उपरोक्त तालिका के अनुसार उच्च माध्यमिक शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों का क्रमशः माध्य प्रमाणिक विचलन का M_1=89.62, M_2=100.55, SD=1.51, SD=21.71 मान प्राप्त हुए।
स्वतंत्र कोटी 78 पर प्राप्त टी का मान 3.18 हैं जो दोनो स्तर (0.05,0.01) प्राप्त मान से अधिक हैं अतः परिकल्पना अस्वीकृत है।

परिणामः– 'टी' का मान सार्थक हैं। अतः शून्य परिकल्पना निरस्त होती है।

निश्कर्शः– उपरोक्त तालिका के अनुसार उच्च. मा. शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों का क्रमशः माध्य प्रमाणिक स्तर के शिक्षकों के सामाजिक मूल्यों में सार्थक अंतर है। शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के सामाजिक मूल्य उच्च. मा. शाला के शिक्षकों की अपेक्षा अधिक है।

Ho_5. उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के राजनैतिक मूल्यों में सार्थक अंतर है।

v) पंचम परिकल्पना के परीक्षण हेतु t की गणना

तालिका 5: उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के राजनैतिक मूल्यों के प्राप्तांक

तुलना समूह	N	M	SD(6)	df	T का मान	सार्थकता	परिणाम
उच्च. माध्य. विद्यालय के शिक्षक	40	M1 =85.37	61 = 8.68	df (N1 + N2)&2 = 78	3.23	0.01 = 2.63 t का मान सार्थक	HO_5 अस्वीकृत
शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षक	40	M2 = 75.9	62 = 16.39				

व्याख्याः– उपरोक्त तालिका के अनुसार उच्च माध्यमिक शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों का क्रमशः माध्य प्रमाणिक विचलन का M_1=85.37, M_2=75.9, SD=8.68, SD=16.39 मान प्राप्त हुए।
स्वतंत्र कोटी 78 पर प्राप्त टी का मान 3.23 है, जो दोनों स्तर (0.05,0.01) प्राप्त मान से अधिक है। अतः परिकल्पना अस्वीकृत है।

परिणामः– 'टी' का मान सार्थक हैं अतः शून्य परिकल्पना निरस्त होती हैं।

निष्कर्शः– उपरोक्त तालिका के अनुसार उच्च. मा. शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों का क्रमशः माध्य प्रमाणिक स्तर के शिक्षकों के राजनैतिक मूल्यों में सार्थक अंतर है। उच्च. मा. शाला के शिक्षकों के राजनैतिक मूल्य शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों की अपेक्षा अधिक है।

Ho_6. उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के धार्मिक मूल्यों में सार्थक अंतर है।

vi) छठवीं परिकल्पना के परीक्षण हेतु t की गणना

तालिका 6: उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के धार्मिक मूल्यों के प्राप्तांक

तुलना समूह	N	M	SD(6)	df	T का मान	सार्थकता	परिणाम
उच्च. माध्य. विद्यालय के शिक्षक	40	M1 =87.5	61 = 70.6	df (N1 + N2)&2 = 78	0.13	0.05 = 1.99 t का मान असार्थक	HO_6 स्वीकृत
शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षक	40	M2 = 85.92	62 = 17.93				

व्याख्याः– उपरोक्त तालिका के अनुसार उच्च माध्यमिक शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों का क्रमशः माध्य प्रमाणिक विचलन का M_1=87.5, M_2=85.92, SD=70.6, SD=17.93 मान प्राप्त हुए।
स्वतंत्र कोटी 78 पर प्राप्त टी का मान 0.13 हैं जो दोनो स्तर (0.05,0.01) प्राप्त मान से कम हैं अतः परिकल्पना स्वीकृत है।

परिणामः– 'टी' का मान असार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है।

निष्कर्शः– उपरोक्त तालिका के अनुसार उच्च. मा. शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों का क्रमशः माध्य प्रमाणिक स्तर के शिक्षकों के धार्मिक मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं है।

निष्कर्श

- Ho_1 परिकल्पना स्वीकृत हुई।

निष्कर्शः– उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षको के सैद्धांतिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

- Ho_2 परिकल्पना स्वीकृत हुई।

निष्कर्शः– उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षको के आर्थिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

- Ho_3 परिकल्पना स्वीकृत हुई।

निष्कर्शः– उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षको के नैतिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

- Ho_4 परिकल्पना अस्वीकृत हुई।

निष्कर्शः– शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षको व उच्च मा. विद्याालय के शिक्षकों के सामाजिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षको के सामाजिक मूल्य अधिक हैं।

- Ho_5 परिकल्पना अस्वीकृत हुई।

निष्कर्शः– उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के राजनैतिक मूल्य में सार्थक अंतर पाया गया। उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षको के राजनैतिक मूल्य अधिक है।

- Ho_6 परिकल्पना स्वीकृत हुई।

निष्कर्शः– उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षक व शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के शिक्षकों के धार्मिक मूल्य में सार्थक अंतर नही पाया गया।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. बिहारी, लाल रमन – शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजशास्त्रीय, पृश्ठ क्रमांक – 308, 388।
2. भटनागर, सुरेश – शिक्षा मनोविज्ञान, प्रकाशन–आर. लाल बुक डिपो, मेरठ पृश्ठ क्र. 2007, 84–87।
3. पाण्डेय, रामशकल – मूल्य शिक्षा, प्रकाशन – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा पृश्ठ क्रमांक – 2003, 1, 2, 61, 155।

4. कपिल, एच. के. – अनुसंधान विधियां, प्रकाशन – एच. पी. भार्गव बुक हाउस, कचहरीघाट आगरा, पृश्ठ क्रमांक, 2006, 55–144।
5. माथुर, एस. एस. – शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार, प्रकाशन – अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा–2 पृश्ठ क्रमांक, 2007/2008, 221–274।
6. सिंह, रामपाल – बौद्धिक अनुसंधान सांख्यिकीय, प्रकाशन – अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा, पृश्ठ क्रमांक, 2007/2008 129–139।
7. सक्सेना, एन. आर – उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक प्रकाशन – आर. लाल बुक डिपो, मेरठ पृश्ठ क्रमांक 2006, 768।
8. शर्मा आर. ए. – अधिगम एवं विकास के मनोवैज्ञानिक आधार, प्रकाशन – आर. लाल बुक डिपो, मेरठ पृश्ठ क्रमांक 2007, 206।
9. शर्मा आर. के. मूल्य शिक्षण प्रकाशन–राधा प्रकाशन, आगरा. पृश्ठ क्रमांक– 2006, 2,8,114।